भारत सरकार

जल संसाधन मंत्रालय

राज्‍य सभा

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1072

जिसका उत्‍तर 3 दिसम्‍बर, 2012 को दिया जाना है ।

**.....**

**जल संसाधनों की उपलब्‍धता**

**1072. श्रीमती स्‍मृति जुबिन ईरानी:**

क्‍या **जल संसाधन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्‍या सरकार बारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान देश में विशेषकर पश्चिम बंगाल तथा पूर्वोत्‍तर राज्‍यों में जल संसाधनों की उपलब्‍धता के संबंध में कोई मानचित्र तैयार कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है तथा अभी तक इस दिशा में कौन-से कदम उठाए गए हैं ?

**उत्‍तर**

**जल संसाधन मंत्री (श्री हरीश रावत)**

(क) एवं (ख) देश में जल की औसत वार्षिक उपलब्‍धता 1869 बिलियन घन मीटर आकलित की गई है । देश में जल की उपलब्‍धता का पुन:आकलन करने के लिए अध्‍यक्ष, केन्‍द्रीय जल आयोग की अध्‍यक्षता में एक समिति गठित की गई है । जल संसाधन मंत्रालय के अंतर्गत केन्‍द्रीय भूमि जल बोर्ड ने भूजल संसाधनों की उपलब्‍धता का निर्धारण करने की दृष्टि से XIIवीं एवं XIIIवीं योजना अवधियों के दौरान पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्‍यों सहित पूरे देश के लिए जलभृत मानचित्रण की आयोजना भी की है ।

मानचित्रण के कार्य में पूर्व में सृजित आंकड़ों का संकलन, आंकड़ों में अंतर की पहचान करना, जलभृत मानचित्र तैयार करने के बाद आंकड़ों के सृजन हेतु क्रियाकलाप शामिल हैं । परियोजना में आंकड़े एकत्रित करने, प्रबंधन योजनाएं तैयार करने और भूजल संसाधनों के प्रबंधन में समुदाय सहित सभी पणधारियों की सहभागिता की संकल्‍पना की गई है ।

\*\*\*\*\*